हल्का या लाइट होना क्या?

स म य अनुसार मनुष्य की जो अंदर की मंसा है, वो हल्के होने की ही है, लेकिन बहुत सी ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं जिसमें मनुष्य अपने आप को भारी महसूस करता जा रहा है। हम मानते हैं कि बहुत कुछ हमें करना है लाइफ में लेकिन आध्यात्मिक लाइफ हमें यही सिखाती है कि हमें हल्का रहना है, लाइट रहना है। लेकिन इस लाइफ को समझने के बाद भी अगर हमारे अंदर भारीपन है किसी भी तरीके का तो इस जीवन के साथ हम न्याय नहीं कर रहे हैं। हम मनुष्य कैसा सोचते हैं इसकी कुछ गहराई में हम चलते हैं। हमें इतना अच्छा जीवन मिला और हम दुनिया से बिल्कुल अलग तरह का जीवन

जी रहे हैं, हमें स्थूल चीज़ें भी यूज़ करने को मिलीं और हम उन्हें यूज़ कर भी रहे हैं निःसंदेह। लेकिन स्थूल चीज़ों की प्राप्ति, आध्यात्मिकता में कहा जाता है कि 'दान की गई गाय के दांत नहीं गिनते', इसका अर्थ यह हुआ कि हमको जो भी प्राप्ति हो रही है वो सब दान की प्राप्ति है। लेकिन उसमें भी यदि हमारी बुद्धि थोड़ी भी उलझी है तो हम फँसेंगे, उसको बचायेंगे, उसको सम्भालेंगे और उसमें लगाव बढ़ेगा।

ऋषि, मुनि, तपस्वी क्या करते थे, अपने साथ कोई स्थूल चीज़ रखते ही नहीं थे, रोज़ भिक्षा मांगते थे और उसे ही बना कर खाते थे और रोज़ का रोज़ खत्म कर देते थे, कुछ भी रखते नहीं थे। यहां तक कि उसका जूठन भी वो नहीं छोड़ते थे कि सुबह देखकर ये याद आये कि हमने ये खाया। आप सोचो, इतनी गहराई से वो अन्न तक का भी त्याग करते थे। बहुत कुछ आज हमको मिल रहा है, खाने की वैरायटी है, पहनने की वैरायटी है, सबकुछ बहुत अच्छा मिल रहा है, लेकिन स्वैच्छा से, अपनी इच्छा से जो मुझे अच्छा लग रहा है, उस तरह का भोजन, उस तरह का पानी, उस तरह की सारी चीज़ें हमें चाहिए। अब आप ये बताओ, हल्कापन कहाँ से आयेगा! लाइट हम कैसे होंगे! समय को देखिये, कैसे बदल गया! हम सभी परमात्मा के घर में हैं, या सेवाकेन्द्रों में या अपने-अपने घरों में हैं, जो भी इस ज्ञान को, समझ को फॉलो कर रहे हैं, वे अपनी च्वाइस के आधार से कभी भी कुछ खा-पी नहीं सकते, ले नहीं सकते, रख नहीं सकते, जी नहीं सकते। लेकिन कर रहे हैं, ना मिले तो मूड खराब होता है, ये भारीपन किस बात का है, ना मिलने का। और साथ में तुलना भी आ जाती है कि वो तो सारी चीज़ें प्राप्त कर रहे हैं, हमें ही नहीं मिलता है। ये जो छोटी-छोटी बातों का भारीपन है, वो हमारे योग को बढ़ायेगा, उस सूक्ष्मता की ओर ले जायेगा या भारीपन लायेगा!

अरे, अपना दायरा देखो कि आपकी बुद्धि किन-किन बातों में है। अगर हम सूक्ष्मता से चेक करें तो हम सभी किसी भी अलग-अलग विभाग में काम करने वाले इस यज्ञ में सभी के प्रति क्या एक जैसी भावना रख पाते हैं, कि अरे, बड़ा अच्छा है, वहाँ खूब अच्छी सेवा हो रही है, उनका डिपार्टमेंट बहुत अच्छा चल रहा है। बल्कि एक और भारीपन है सेवा के निमित्त आत्माओं का कि अरे, उनका ये सब इतना अच्छा क्यों हो रहा है! अब देखो, बाहर की दुनिया में कॉम्पिटीशन होना अलग बात है और ज़रूरी है क्योंकि उनको आगे बढ़ना है। लेकिन यहां तो हम निमित्त हैं, निमित्त रूप से सेवा कर रहे हैं, तो इन बातों में जाने से क्या हम एक नए तरह के कॉम्पिटीशन या ईर्ष्या को जन्म नहीं दे रहे हैं! इससे हमारा मन इतना भारी हो जाता है और जब आप योग करने बैठेंगे तो उस समय क्योंकि आपने कभी भी निमित्त रूप से कुछ कर्म ही नहीं किया है तो परमात्मा के साथ जुड़ना भी अति मुश्किल हो जायेगा। हम योग लगायेंगे लेकिन स्थूल चीज़ों से।

सूक्ष्मता लाना माना सूक्ष्मता के साथ एक-एक बात को समझना, उसको जीवन में उतारना, निमित्त भाव और निमित्त भाव और निमित्त भाव की गहरी फीलिंग हमें हल्का या लाइट बनाती है। हमारा दायरा यहाँ ही तक सीमित नहीं है, हम कपड़े से लेकर कपोल कथाओं तक अपनी बुद्धि को बिज़ी रखे हुए हैं, उस दुनिया में भी लोग ग्रुप बनाकर बैठते हैं तो दुनिया के लोगों की ही बातें करते हैं। आपको पता हो कि हम भी आपस में मिलते हैं, आपस में बातें भी करते हैं, लेकिन किसकी बातें करेंगे, जिन लोगों के बीच में रहते हैं। उन बातों में भी इतनी स्थूलता है, तो उसमें हम ज्ञान चर्चा तो कर ही नहीं सकते। करेंगे तो सिर्फ वही बातें जो उनके साथ जुड़ी हुई हैं। ये हमारे भारीपन को इतना बढ़ा देता है, तो कहाँ से हम मंसा सेवा कर पायेंगे! आप बैठते हैं तो वही बातें याद आती हैं जो आपने की होती हैं। इन सारी बातों से छूटना ही, इन सारी बातों से हटना ही हमको राजऋषि बनाता है और हम हल्का महसूस करने लग जाते हैं। इसलिए हल्का और लाइट होने के लिए इस सूक्ष्मता को और सूक्ष्मता के साथ समझें और आगे बढ़ें।

कपड़वंज-गुज.। राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसानों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. माला बहन, मोहनभाई पटेल,प्रमुख,खेड़ा जिला किसान संघ, नटुभाई पटेल,रिटायर्ड एग्रीकल्चर प्रोफेसर, सरपंच, किसान तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

करही-म.प्र.। राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसानों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. अनिता बहन, ब्र.कु. सारिका बहन, ब्र.कु. उद्धव भाई, हिम्मत भाई, कन्हैयालाल भाई, महेश भाई तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

फरीदाबाद-संजय एन्क्लेव(हरियाणा)। भारत की आज़ादी के अमृत महोत्सव पर 'स्वर्णिम भारत की ओर' विषय पर मीडिया वर्ग से जुड़े लोगों के लिए कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए विश्वस्त पत्रकारिता संघ हरियाणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमेन्द्र शर्मा तथा अन्य वरिष्ठ पत्रकारों सहित ब्र.कु. ज्योति दीदी।

केसुरा-स्वागत विहार(ओडिशा)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किसान भाइयों को सम्मानित करने के पश्चात् उपस्थित हैं कृतार्थ प्रधान,विलेज सेक्रेट्री एंड प्रेसीडेंट,केसुरा जीवन संग्राम क्लब, राजयोगिनी ब्र.कु. तपस्विनी बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका,बीजेबी नगर,भुवनेश्वर, ब्र.कु. अपर्णा बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका,अलारपुर, ब्र.कु. अंजली बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

चुनार-मिर्ज़ापुर(उ.प्र.)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर ब्र.कु. तारा बहन एवं अन्य ब्र.कु. बहनों ने जैविक यौगिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी भी उपस्थित रहे।

इंदौर-प्रेम नगर(म.प्र.)। बिजलपुर उप सेवाकेन्द्र में राष्ट्रीय किसान दिवस पर किसानों के सम्मान में आयोजित 'भारत की शान, अन्नदाता किसान' विषयक कार्यक्रम में बद्रीलाल चौधरी,मैनेजर,इंदौर प्रीमियर कोऑपरेटिव बैंक,बिजलपुर, रामप्रकाश ओझा,मैनेजर,बैंक ऑफ इंडिया बिजलपुर, राधेश्याम पटवारी,अध्यक्ष,शासकीय कन्याशाला बिजलपुर, बाबूलाल पटेल,अध्यक्ष,खाती समाज बिजलपुर, राधेश्याम जी बागवाला,समाजसेवी, भरत पटवारी,समाजसेवी, ब्र.कु. शशि दीदी,संचालिका,इंदौर पश्चित क्षेत्र एवं प्रेमनगर सेवाकेन्द्र, ब्र.कु. यश्वनी दीदी,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. शारदा दीदी,सेवाकेन्द्र संचालिका,बैराठी कॉलोनी, ब्र.कु. मनीषा बहन तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जम्मू। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. शर्मा,वी.सी.,शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज़ एंड टेक्नोलॉजी, राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन बहन, ब्र.कु. निर्मल बहन तथा ब्र.कु. सुरेन्द्र भाई।

डग-झालावाड़(राज.)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राधेश्याम विश्वकर्मा,हरनावदा भारतीय किसान संघ तहसील, शंकर सिंह,भैंसड़िया राष्ट्र किसान संगठन अध्यक्ष, गोविंद सिंह,मंदिरपुर तहसील मंत्री किसान संघ, गोपाल व्यास,राष्ट्र किसान संघ जिला मंत्री, गोपाल सिंह,हरनावदा ग्राम समिति अध्यक्ष, ब्र.कु. नेहा दीदी तथा अन्य।

कासगंज-उ.प्र.। राष्ट्रीय किसान दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित गोष्ठी में ब्र.कु. राजेन्द्र भाई,पलवल हरियाणा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका तथा कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग उत्तर प्रदेश की संयोजिका ब्र.कु. सरोज बहन तथा बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनें उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से खण्ड विकास कार्यालय के प्रांगण में लगाये गये किसान मेले में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का जनपद की जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, विधायक देवेन्द्र सिंह राजपूत तथा बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया।